Personality Tests

व्यक्तित्व परीक्षण

व्यक्तित्व का मापन
(Measurement of Personality)

व्यक्तित्व के शीलगुणों के बारे में यह निश्चित करना होता है कि वे संगठित (organised) या विसंगठित (disorganised) है। यदि उसके शीलगुण विसंगठित (disorganised) होते है तो व्यक्ति का व्यवहार असामान्य (abnormal) हो जाता है।

ऐसी प्रमुख विधियों या परीक्षणों को निम्नांकित तीन भागों में बाँटकर अध्ययन किया गया है

(अ) व्यक्तित्व आविष्कारिका (Personality Inventories)
(ब) प्रक्षेपीय विधियाँ (Projective methods)
(स) प्रेक्षण विधियाँ (Observational methods)

Methods of personality assessment

- Observation
- Situational Test
- Questionnaire
- Interview
- Rating Scale
- Personality Inventory
- Projective Techniques

(अ) व्यक्तित्व आविष्कारिका (Personality inventories)- इस विधि में व्यक्तित्व के खास-खास शीलगुणों से सम्बन्धित कुछ प्रश्न बने होते हैं जिनका उत्तर प्रायः 'हाँ नहीं, सही-गलत' आदि में दिया रहता है।

जैसे—आपको माता-पिता से उचित प्यार मिलता है?-हाँ / नहीं

Note:- इस तरह की आविष्कारिका के प्रत्येक प्रश्न को व्यक्ति स्वयं पढ़ता है (self-report inventories), मनोमिति परीक्षण (psychometric test), (paper-pencil test) भी कहा जाता है

1a)

माइनेसोटा मल्टीफेजीक पर्सनालिटी इन्वेंट्री (Minnesota Multiphasic Personality Inventory-2)-

- MMPI का निर्माण मूलतः हाथावे एवं मैककिनले (Hathaway & Mckinley, 1940)
- 550 एकांश थे और प्रत्येक एकांश के तीन उत्तर थे-True', 'False' तथा 'Cann't say'
- इस इनवेन्ट्री का उद्देश्य व्यक्तित्व के रोगात्मक शीलगुणों (pathological traits) को मापना है। इस मौलिक प्रारूप में 10 नैदानिक मापनी (clinical scale) है तथा तीन वैधता मापनी (validity scale) हैं।
- MMPI-2 का संशोधन (Butcher)
- MMPI-2 में कुल 567 एकांश (items) है।

Scale # and Abbreviation	Scale Name	Standard Interpretation of an Elevated Score
1. Hs	Hypochondriasis	Excessive preoccupation with the body and physical symptoms
2. D	Depression	Sadness, discomfort, and dissatisfaction with life
3. Hy	Hysteria	Feeling overwhelmed by stress
4. Pd	Psychopathic Deviance	Rebellion, difficulty adhering to standards of society
5. Mf	Masculinity-femininity	Lack of stereotypic masculine interests (in men—high scores are rare among women)
6. Pa	Paranoia	Excessive sensitivity, hostility, suspiciousness (very high scores indicate psychotic behavior)
7. Pt	Psychasthenia	Anxiety, tension, worry. Obsessive-compulsive disorder tends to score high
8. Sc	Schizophrenia	Confusion, disorganization, unusual thought processes
9. Ma	Hypomania	High energy and agitation, overactivity, unrealistic self-appraisal. Mania
10. Si	Social Introversion	Shy, insecure, timid, introverted

550 → 567

Objective

नैदानिक मापनी (Clinical Scale):-

1. रोगभ्रम (Hypochondriasis or HS) -व्यक्ति अपने शारीरिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक कार्य के बारे में जरूरत से ज्यादा चिंता दिखलाता है।

2. विषाद (Depression or D) —इसके द्वारा भावात्मक विकृति affective disorder) से सम्बन्ध प्रवृतियाँ जैसे उदासीनता में अभि एवं ऊर्जा में कमी आदि काहोता है।

3. रूपांतर हिस्ट्रीया(Conversion -रोगी मानसिक संघर्ष एवं चिताओं से छुटकारा पाने के लिए कोई-कोई शारीरिक लक्षण विकसित करता है।

4. मनोविकृत विचलन (Psychopathic deviate or Pd -इसके द्वारामें सामाजिक एवं नैतिक मानको को अवहेलना करने वाली प्रतियाँ तथा अनुभूतियों से भी कुछ न सीखने कीप्रवृत्ति का मापन होता है।

5. पुरुषत्व-नारीत्व (Masculinity-Feminine- इसके द्वारा व्यक्त के सीमांतीय यौन भूमिका (extreme sex role) करने की प्रवृत्ति की होती है।

6. स्थिर व्यामोह (Paranoia or Pa)- जिनके द्‌वारा व्यक्ति में असामान्य शुरू करने की प्रवृत्ति तथात्मक एवं उत्कृष्टता से सम्बन्ध गलत विश्वास या भ्रान्ति (delusion) का मापन होता है।

7. मनोदौर्वस्यता (Psychesthenia or Pt) जिनके द्‌वारा व्यक्ति में मनोमस्ति (obsession), बाध्यता (compulsion), असामान्य डर आदि का मापन होता है।

8. मनोविदालिता (Schizophrenia or Sc) –इसके द्‌वारा व्यक्ति में असामान्य चिन्तन या व्यवहार करने को प्रवृत्ति का मापन होता है।

9. अल्पोन्पाद (Hypomania or Ma) इसके द्‌वारा व्यक्ति के सागिकउत्तेजन, अतिक्रिया (overactivity) तथा विचारों का बिखराव (flight of ideas) कर मापन होता है।

10. सामाजिक अन्तर्मुखता (Social introversion or SI) - इसके द्‌वारा व्यक्ति के कुछ विशेष प्रवृत्तियाँ जैसे लजालुपना, अन्य लोगों में अभियन दिखाने की प्रवृत्ति तथा असुरक्षा आदि का मापन होता है।

वैधता (Validity Scale)(Cannot Say)—इसके अंतर्गत उन एकांशों को रखा जाता है जिनका उत्तर व्यक्ति नहीं दे पाया है।

L (Lie)- इसके द्वारा व्यक्ति में झूठ बोलने या अपने आप को गलत ढंग सेपेश करने की प्रवृत्ति का मापन होता है।

F (Frequency or Infrequency)-इस पर उच्च प्राप्तांक उसने से यह पता चलता है कि व्यक्ति लापरवाही से परीक्षण एकांशों के प्रति अनुक्रिया किया है या वह जानबूझ करके अपने रोगात्मक लक्षणों को बढ़ा-चढ़ाकर व्यक्त किया है।

K (Correction)- इसके द्वारा व्यक्ति में अपनी समस्याओं के बारे में या तो अत्यधिक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण (defensive outlook) या फिर उसके बारे में बहुत ज्यादा कहने की प्रवृत्ति का मापन होता है। उच्च K प्राप्तांक से यह पता चलता है कि व्यक्ति ने अपने समस्या को दबा दिया है तथा निम्न K प्राप्तांक से यह पता चलता है कि उसने अपनी समस्या को बढ़ा-चढ़ा कर उपस्थित किया है।

2. कैलिफोर्निया साइकोलॉजिकल आविष्कारिका (Calfornia Psychological Inventory or CPI)

- परीक्षण का मौलिक निर्माण वर्ष 1957 है, फिर 1987 में इसे संशोधित किया गया है।
- इसआविष्कारिका का विकास व्यक्तित्व के सामान्य शीलगुणों (normal traits) को मापने के लिए किया गया है।
- इसमें 462 एकांश है जिनका उत्तर 'सही-गलत' के प्रारूप में देना होता है।
- इसमें से आधे एकाश MMPI से ही लिए गए हैं।इसके द्वारा प्रभुत्व, उत्तरदायित्व, आरंभ-स्वीकृति (self-acceptance), आत्म-नियंत्रण (self-control) जैसे शीलगुणीका मापन होता है।

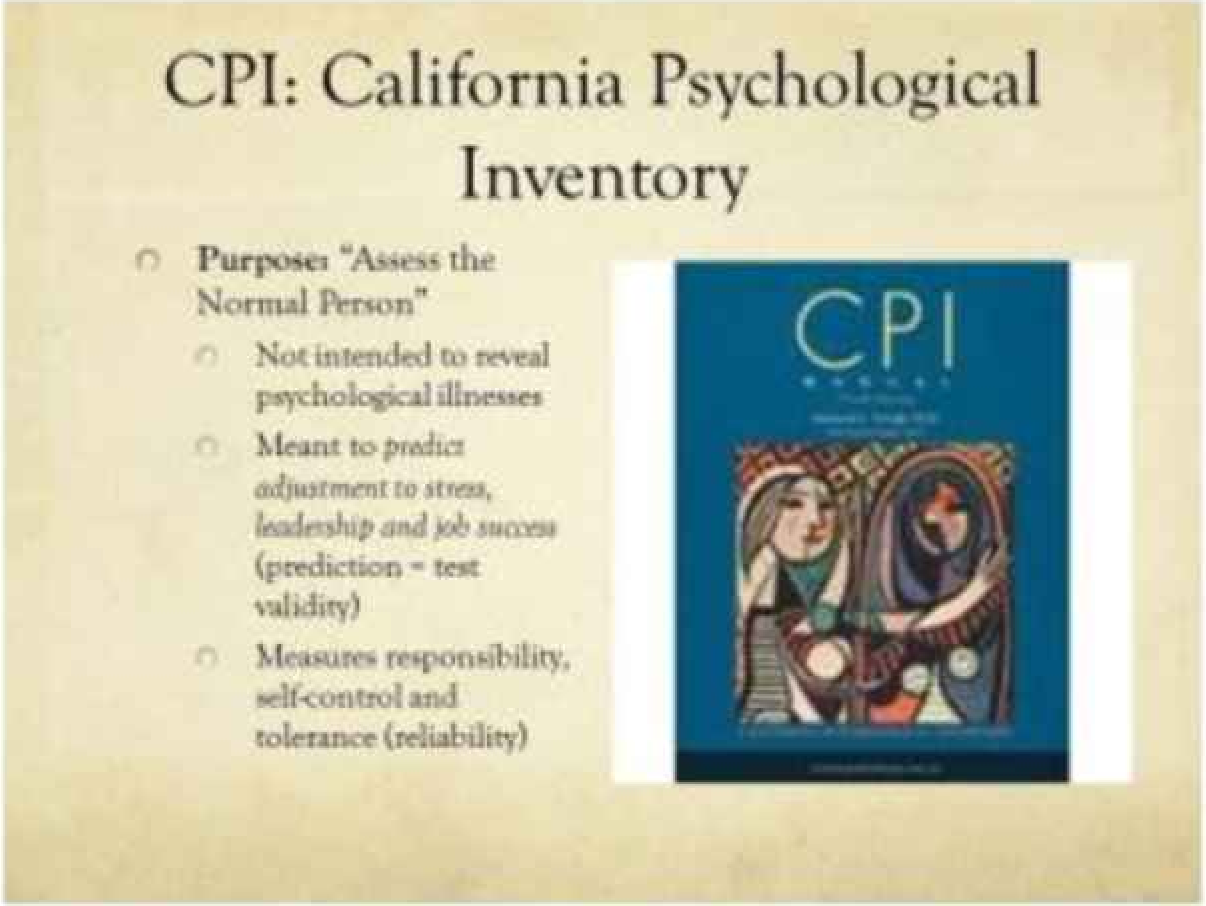

3. बेल समायोजन आविष्कारिका (Bell adjustment inventory)—

- इस आविष्कारिका का निर्माण बेल (Bell) ने 1934 में किया।
- इस आविष्कारिका का उद्देश्य व्यक्ति में समायोजन (adjustment) सम्बन्धी कठिनाइयों का पता लगाना होता है।
- इस आविष्कारिका के दो फार्म (form) है—-विद्यार्थी फार्म (students form) तथा व्यावसायिक फार्म (occupational form)।
- विद्यार्थी फार्म में कुल 140 एकांश (items) है जोगृह (home), स्वास्थ्य (health), सामाजिक (social) तथा सांवेगिक (emotional) चार भिन्न-भिन्न क्षे जैसे—अवस्था से सम्बन्धित समायोजन समस्याओं का पता लगाता है।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर ' हाँ ', 'नहीं' एवं '7' में से किसी एक पर सिंह खीचकर दिया जाता है।

4. कैद्वेल्ल सोलह व्यक्तित्व-कारक प्रश्नावली (Cattell's Sixteen P.F. Questionnaire)

- इस परीक्षण का निर्माण कैट्टेल्ल ने कारक विश्लेषण (factor analysis) के आधार पर किया है। इस प्रश्नावली के कई फार्म (forms) हैं

- जिनके द्वारा 17 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों के 16 शीलगुणों (traits) को मापा जाता है।

- कैट्टेल्ल ने इन शीलगुणों (traits) में तीन तरह के प्रमुख शीलगुणों यानी वित्तप्रकृति शीलगुण (temperament traits), क्षमता शीलगुणों (ability trait) तथा गत्यात्मक शीलगुण (dynamic trait) का समावेश किया है।

- इस प्रश्नावली में सम्मिलित किये गये सभी 16 शीलगुण द्विध्रुवी (bipolar) है।

पार्थस-ब्रिग्स टाइप इनडिकेटर
(Myers-Brigg Type Indicator MBTI)

कार्ल युग

- इस व्यक्तित्व परीक्षण का निर्माण के सौ. ब्रिग्स (K.C. Brings) तथा उनकी सुपुत्री आई बी मापसे (L.B. Myers) द्वारा 1943 में किया गया।
- यह परीक्षण कार्ल युग (Carl Jung) द्वारा प्रतिपादित व्यक्तित्व के मनोवैज्ञानिक प्रकार (Psychological type) पर आधारित है।
- इस परीक्षण द्वारा 14 साल या उससे ऊपर के व्यक्तियों के व्यक्तित्व का मापन होता है।
- इस परीक्षण के कई रूपान्तर (Version) है।
- जैसे फार्म एम (Form M) फार्म क्यू (Form Q), फार्म जी (Form G), फार्म एफ (Form F). फार्म के (Form k), आदि।
- MBTI द्वारा 16 व्यक्तित्व प्रकारों का मापम होता है। इन व्यक्तित्व प्रकारों को चर्चा इसी अध्याय में पहले भी की जा चुकी है।

What's Your Personality Type?

Use the questions on the outside of the chart to determine the four letters of your Myers-Briggs type.
For each pair of letters, choose the side that seems most natural to you, even if you don't agree with every description.

1. Are you outwardly or inwardly focused? If you:

• Could be described as talkative, outgoing	• Could be described as reserved, private
• Like to be in a fast-paced environment	• Prefer a slower pace with time for contemplation
• Tend to work out ideas with others, think out loud	• Tend to think things through inside your head
• Enjoy being the center of attention	• Would rather observe than be the center of attention
then you prefer **E** Extraversion	then you prefer **I** Introversion

2. How do you prefer to take in information? If you:

• Focus on the reality of how things are	• Imagine the possibilities of how things could be
• Pay attention to concrete facts and details	• Notice the big picture, see how everything connects
• Prefer ideas that have practical applications	• Enjoy ideas and concepts for their own sake
• Like to describe things in a specific, literal way	• Like to describe things in a figurative, poetic way
then you prefer **S** Sensing	then you prefer **N** Intuition

ISTJ — Responsible, sincere, analytical, reserved, realistic, systematic. Hardworking and trustworthy with sound practical judgment.

ISFJ — Warm, considerate, gentle, responsible, pragmatic, thorough. Devoted caretakers who enjoy being helpful to others.

INFJ — Idealistic, organized, insightful, dependable, compassionate, gentle. Seek harmony and cooperation, enjoy intellectual stimulation.

INTJ — Innovative, independent, strategic, logical, reserved, insightful. Driven by their own original ideas to achieve improvements.

ISTP — Action-oriented, logical, analytical, spontaneous, reserved, independent. Enjoy adventure, skilled at understanding how mechanical things work.

ISFP — Gentle, sensitive, nurturing, helpful, flexible, realistic. Seek to create a personal environment that is both beautiful and practical.

INFP — Sensitive, creative, idealistic, perceptive, caring, loyal. Value inner harmony and personal growth, focus on dreams and possibilities.

INTP — Intellectual, logical, precise, reserved, flexible, imaginative. Original thinkers who enjoy speculation and creative problem solving.

ESTP — Outgoing, realistic, action-oriented, curious, versatile, spontaneous. Pragmatic problem solvers and skillful negotiators.

ESFP — Playful, enthusiastic, friendly, spontaneous, tactful, flexible. Have strong common sense, enjoy helping people in tangible ways.

ENFP — Enthusiastic, creative, spontaneous, optimistic, supportive, playful. Value inspiration, enjoy starting new projects, see potential in others.

ENTP — Inventive, enthusiastic, strategic, enterprising, inquisitive, versatile. Enjoy new ideas and challenges, value inspiration.

ESTJ — Efficient, outgoing, analytical, systematic, dependable, realistic. Like to run the show and get things done in an orderly fashion.

ESFJ — Friendly, outgoing, reliable, conscientious, organized, practical. Seek to be helpful and please others, enjoy being active and productive.

ENFJ — Caring, enthusiastic, idealistic, organized, diplomatic, responsible. Skilled communicators who value connection with people.

ENTJ — Strategic, logical, efficient, outgoing, ambitious, independent. Effective organizers of people and long-range planners.

3. How do you prefer to make decisions? If you:

• Make decisions in an impersonal way, using logical reasoning	• Base your decisions on personal values and how your actions affect others
• Value justice, fairness	• Value harmony, forgiveness
• Enjoy finding the flaws in an argument	• Like to please others and point out the best in people
• Could be described as reasonable, level-headed	• Could be described as warm, empathetic
then you prefer **T** Thinking	then you prefer **F** Feeling

4. How do you prefer to live your outer life? If you:

• Prefer to have matters settled	• Prefer to leave your options open
• Think rules and deadlines should be respected	• See rules and deadlines as flexible
• Prefer to have detailed, step-by-step instructions	• Like to improvise and make things up as you go
• Make plans, want to know what you're getting into	• Are spontaneous, enjoy surprises and new situations
then you prefer **J** Judging	then you prefer **P** Perceiving

एन इ ओ व्यक्तित्व आविष्कारिका (NEO-PI R)-

इस व्यक्तित्व परीक्षण का निर्माण पी टी कोस्टा एवं आर. आर. मैकके (R.R. MacCrae) द्वारा किया गया।

इस परीक्षण 17 साल तथा उसके ऊपर की आयु के सामान्य व्यक्तित्व (normal personality) का मापन होता है।

इस परीक्षण द्वारा व्यक्तित्व के बड़े पाँच कारकों (Big Five Factors) का मापन होता है।

- बहिर्मुखा (extraversion of E)
- स्नायुविकृति (Neuroticism or N)
- कर्तव्यनिष्ठा (Conscientiousness or C),
- अनुभूतियों का खुलापन या संस्कृति (openness to experiences or culture or O)
- तथा सहमतिजन्यता (Agreeable- ness)

(Other Personality Inventories)

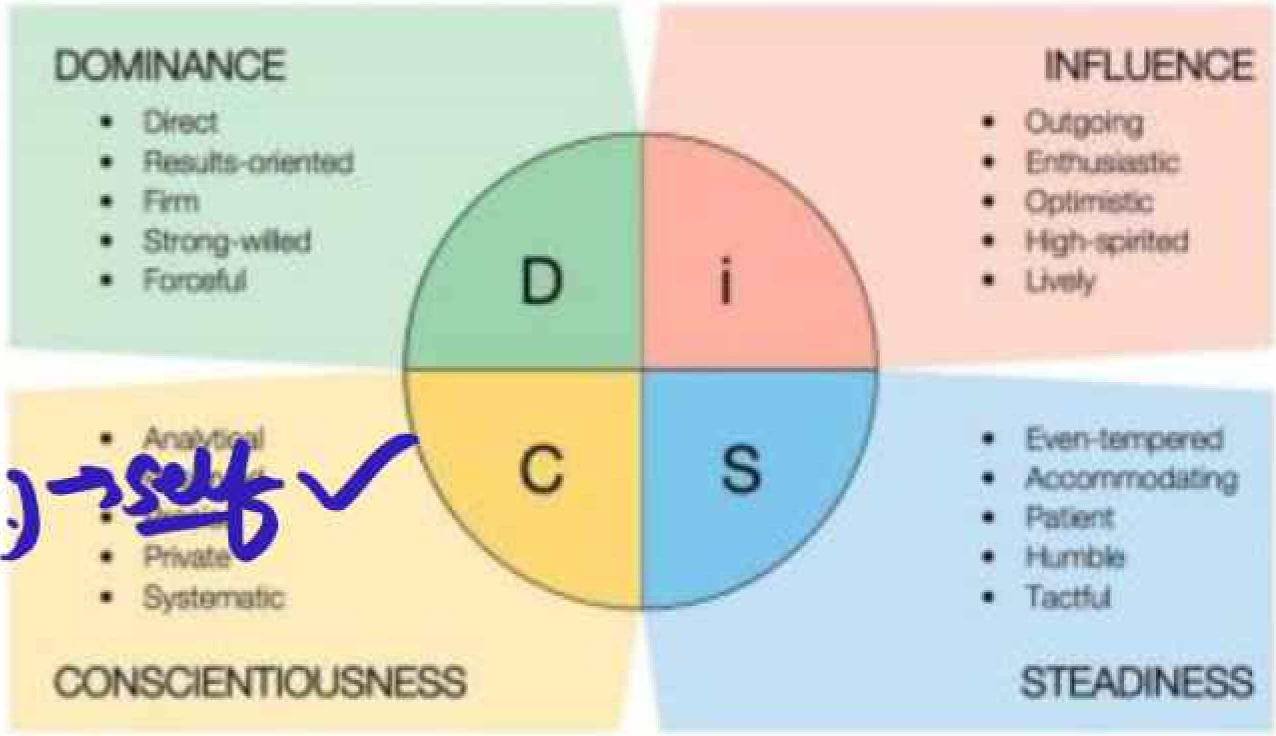

- मैसलो- (Maslow. 1966)
- Eysenck Personality Questionnaire (EPQ)- 1975
- Edwards Personal Preference Schedule (EPPS)- 1980
- Million Clinical Mail inventory (MCMI)- 1987
- Personality Research Form (PRF)- जैक् (Jackson, 1984)
- Basic Personality Inventory- MC Crae and Costa (1982)

प्रक्षेपीय विधियाँ (Projective methods)

- प्रक्षेपीय विधि (projective method) द्वारा व्यक्तित्व की अपरोक्ष रूप से (Indirect) होती है।

- लारेन्स फ्रैंक (Lawrence Frank, 1939) को ही सामान्यतः पहला वैसा व्यक्ति माना गया है। जिन्होंने 'प्रक्षेपीय विधि' (projective method) जैसे पद का प्रतिपादन किया था।

- इस परीक्षण में व्यक्ति के सामने कुछ अस्पष्ट (vague) तथा असंगठित (unstructured) उद्दीपक (stimulus) या परिस्थिति दिया जाता है।
- ऐसे उद्दीपकों एवं परिस्थितियों के प्रति व्यक्ति कुछ अनुक्रिया (response) करता है।
- इन अनुक्रियाओं (responses) के सहारे व्यक्ति अचेतन रूप से अपनी इच्छाओं, (errors) एवं मानसिक संघर्षो (mental conflicts) को प्रक्षेपित (project) करता है।
- इस तरह से प्रवेषीय (projective test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसके एकांश (item) अस्पष्ट एवं असंगठित (unstructured) है और जिसके प्रति अनुक्रिया (response) करके व्यक्ति अपने भिन्न-भिन्न प्रकार के शीलगुणों की अभिव्यक्ति परोक्ष रूप से (Indirectly) करता है।

What is projective techniques ?

What is projective techniques ?

First used by L. K. Frank, Projective technique requires the individual to interpret objects other than himself. These may be pictures, incomplete sentences or stories, drawings, etc. It induces the person to project himself into the test situations and this reveals his motives, ideas, thoughts, attitudes, etc.

Types of projective techniques

Story-telling/Completion –
Child is given a story outline or a story with only a beginning or only an end and he must use his imagination to express and expand and complete the rest of it.

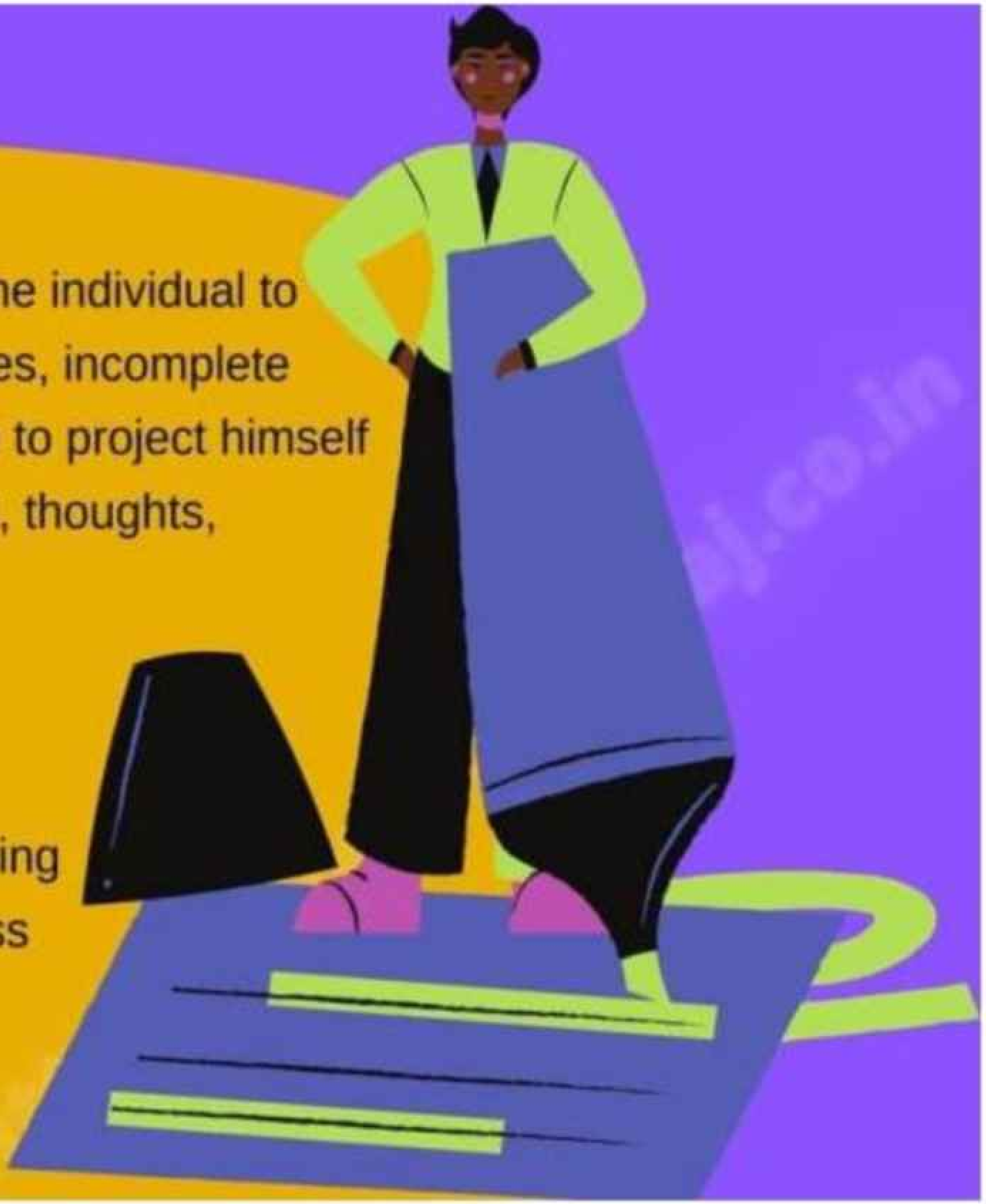

- 1879 मे गाल्टन (Galton) ने शब्द साहचर्य परीक्ष (Word association test) का निर्माण किया।
- इविंगहॉस (Ebbinghaus, 1897) ने वाक्य पूर्ति परीक्षण (Sentence completion test) का उपयोग व्यक्ति की बुद्धि मापने में किया

(i) ऐसे परीक्षण द्वारा व्यक्तित्व का एक संगठित एवं सम्पूर्ण तस्वीर उपस्थित है।
(ii) ऐसे परीक्षण व्यक्ति में स्वप्नचित्र (fantasy) उत्पन्न करने में सफल होते है।
(iii) ऐसे परीक्षण में कोई सही या गलत अनुक्रिया नहीं होता
(iv) नैदानिक परिस्थिति (clinical setting) में प्रयोपीय परीक्षण उपयोग manner) होता है।

Difference Between प्रक्षेपीय परीक्षण (projective test) तथा व्यक्तित्व आविष्कारिका (personality inventories),

उनमें निम्नांकित अन्तर है- (दूसरे शब्दों में, कहा जा सकता है कि व्यक्तित्व आविष्कारिका में व्यक्तित्व का मान कुछ खास-खास स्वतंत्र शीलगुणों को अलग-अलग मापकर किया जाता है जबकि प्रक्षेपण विधि में व्यक्तित्वको सम्पूर्ण रूप से (as a whole) माप कर (न कि कुछ निश्चित शीलगुणों का मापन करके उसके बारे में अध्ययन करने कीकोशिश की जाती है।

व्यक्तित्व मापन के लिए मनोवैज्ञानिकों ने कई तरह के प्रक्षेपीय परीक्षण (projective test) का वर्णन किया है

इसमें लण्ड (Lindary, 1961) ने जो वर्गीकरण, अनुक्रिया (response) की कसौटी के आधार पर किया है, वह आज भी बहुत लोकप्रिय है।

इनके अनुसार प्रवेपीय परीक्षण को निम्नांकित पाँच भाग में बाँटा गया है—

(क) साहचर्य परीक्षण (association test)

(ख) संरचना परीक्षण (construction test)

(ग) पूर्ति परीक्षण (completion test)

(घ) चयन या क्रम परीक्षण (choice or ordering test)

(ङ) अभिव्यंजक परीक्षण (expressive test)

इन सबों का वर्णन निम्नांकित है-

इन सबों का वर्णन निम्नांकित है-

(क) साहचर्य परीक्षण (Association test) ऐसे परीक्षण में व्यक्ति अस्पष्ट उदयोपयों को देखता है और बतलाता है कि उसमें वह क्या देख रहा है या फिर उससे वह किन चीज को साहचवित कर रहा है। शब्द साह (word association test) तथा स्याही धच्या परीक्षण (Inkblot test) इस श्रेणी के दो प्रमुख प्रकार है जिनका निम्नांकित है

(1) शब्द साहचर्य परीक्षण (Word Association test) इस परीक्षण में कुछ पूर्व निश्चित करा(stimulus words) को एक-एक करके व्यक्ति के सामने उपस्थित किया जाता है और व्यक्ति को शब्द सुनने के बादउसके मन में जो सबसे पहला शब्द आता है, उसे बतलाना होता है। व्यक्ति मापन के रूप में इस परीक्षण का उपयोग फ्रायड (Freud) तथा उनके सहकर्मी विशेषकर युग (jung) द्वारा प्रारम्भ किया गया।

(2) युग (Jung) ने 1904 में 100 शब्दों की एक मानक सूची (standard list) तैयार की और उपयुक्त विधि द्वारा व्यक्ति को अनुक्रियाओं (responses) को प्राप्त किया। उसके बाद उसका विश्लेषण (analysis) करडे विशेषकर प्रत्येक अनुक्रिया शब्द (response word) का सांकेतिक अर्थ (symbolic meaning) ज्ञात करके य प्रतिक्रिया समय (reaction time) के आधार पर व्यक्ति के सांवेगिक संघर्षो (emotional conflict) का पता युग ने सफलतापूर्वक लगाया।

Nurse - B →
C
C

(2) स्याही धव्या परीक्षण (Inkblot Test)- इस परीक्षण में तीन तरह केपरीक्षणों को रखा गया है रोशार्क स्याही धन्या परीक्षण (Rorschach Inkblot test),हाल्जमैन स्याही धब्बा परीक्षण (Holtzman Inkblot test) तथा कास्मेल्ल कायिकस्याही धब्बा श्रृंखलन (Cassells Somatic Inkblot Series)

इन तीनों का वर्णनअमांकित है:-

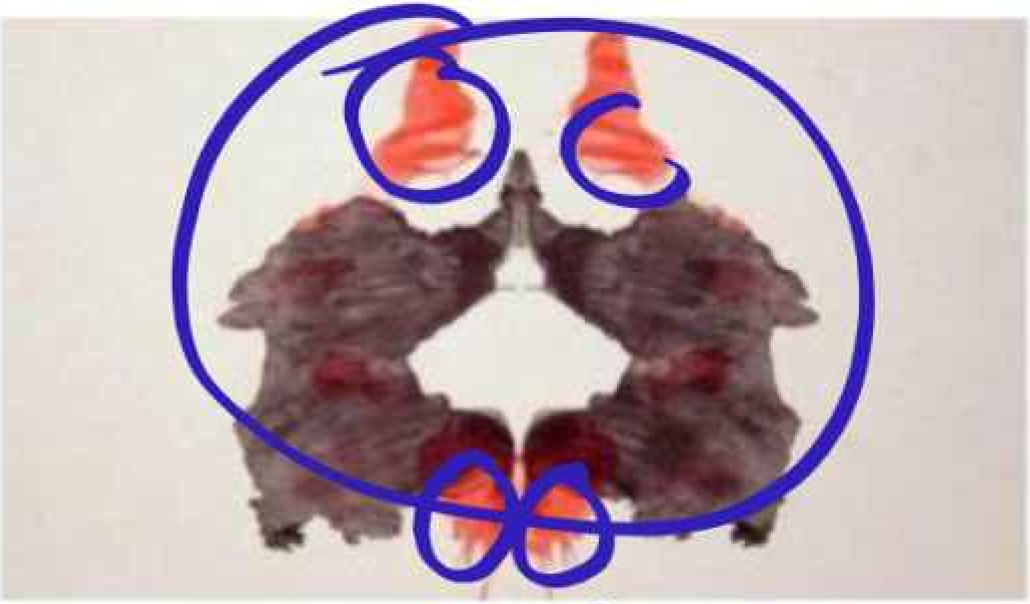

रोशार्क परीक्षण (Rorschach test);प्रक्षेपण परीक्षण (projective test) में सबसे प्रचलित एवं प्रमुख परीक्षण पेशार्क परीक्षण (Rorschach Test) है जिसका प्रतिपादन स्विटजरलैंड के मनश्चिकित्सक (psychiartist) हरमान रोशार्क (Herman Rorschach) ने 1921 में किया। इस परीक्षण में 10 कार्ड होते हैं। जिस पर स्याही के धब्बे के समान चित्र बने होते है

इसमें 5 कार्ड पर स्याही के धब्बे जैसी आकृति पूर्णतः कला-उजला (black-white) में छिपे होते हैं और 5 कार्ड पर स्याही के धब्बे जैसी आकृति रंगों में होती है। प्रत्येक कार्ड एक-एक करके उस व्यक्ति को दिया जाता है जिसका व्यक्तित्व मापना होता है।

कार्ड को वह जैसे चाहे घुमा-फिरा सकता है और ऐसा करके उसे बताना होता है कि उसे उस कार्ड में क्या दिखलाई दे रहा है या धब्बे का कोई अंश या पूरा भाग उसे किसी चीज के समान दिखलाई पड़ रहा है। व्यक्ति द्वारा दी गयो अनुक्रियाओं को लिख लिया जाता है और बाद में उसका विश्लेषण कुछ खास-खास अक्षर संकेतों (letter symbol) के सहारे निम्नांकित चार भागों में बाँट कर किया जाता है।

(a)स्थल-निरूपण (Location) -इस श्रेणी में इस बात का निर्णय किया जाता है कि व्यक्ति की अनुक्रिया का सम्बन्ध स्याही के पूरे धब्बे से है या उसके कुछ अंश से। अगर अनुक्रिया (responses) का आधार पूरा धब्बा होता है, तो उसे एक खास अक्षर संकेत, यानी W से अंकित करते हैं। यदि अनुक्रिया का आधार धब्बे का बड़ा एवं सामान्य अंश (common detail) होता है, तो उसके लिए D तथा असामान्य एवं छोटे अंश के आधार पर अनुक्रिया होने से।उसके लिए Dd का प्रयोग किया जाता है। सिर्फ उनले स्थानों या जगहों के आधार पर अनुक्रिया देने से उसके लिए 5 का प्रयोग किया जाता है।

b) निर्धारक (Determinants)- इस श्रेणी में इस बात पर निर्णय किया जाता है कि (feature) के कारण व्यक्ति ने अमुक अनुक्रिया (response) किसी धब्बे में 'चमगादड़ होने को अनुक्रिया की है।

इस अनुक्रिया के निर्धारक श्रेणी में इस बात का निर्णयक व्यक्ति ने धब्बे के किस गुण (features) अर्थात् आकार, रंग, गति आदि में से किसके आधार पर ऐसी अनुक्रिया की है।

इस श्रेणी के लिए लगभग 24 अक्षर सकतो (letter symbols) का प्रतिपादन किया गया जिसमें कुछ इस प्रकार है-

आकार (form) के लिए F,
रंग (colour) के लिए C,
मानव गति अनु (human movement response) के लिए M,
पशु गति अनुकिया (animal movement response) के लिए PM
तथा निर्जीवगति(inanimate movement response) के लिए आदि।

(c) विषय-वस्तु (Content) इस श्रेणी में यह देखा जाता है कि व्यक्ति द्वारा दी गयी अनुक्रिया की विषय- वस्तु क्या है।

विषय-वस्तु मनुष्य होने पर उसके लिए H तथा पशु होने पर उसके लिए के संकेत का प्रयोग किया जाता है।

मानव के किसी अंग के विवरण (human details) होने पर Hd

तथा पशु के किसी अंग के विवरण (animal details) के लिए Ad, आग के लिए Fi,

यौन (sex) के लिए घरेलू वस्तुओं के लिए Hh का प्रयोग किया जाता है।

(d) मौलिक अनुक्रिया एवं संगठन (Original response and Organisation) मौलिक अनुका (original response) से तात्पर्य उस अनुक्रिया (response) से होता है जो अनेको व्यक्तियों द्वारा किसी कार्ड के प्रति अक्सर दिये जाते है। इसलिए इसे लोकप्रिय अनुक्रिया (popular response) भी कहा जाता है जिसका संकेत है।

जैसे, प्रथम कार्ड में पूरे धब्बे को चमगादड़ (bat) या 'तितली' (butterfly) के रूप में देखना एक लोकप्रिय अनुक्रिया (popular response) का उदाहरण है।

- W की अनुक्रिया--------तीव्र बुद्धि तथा अमूर्त चिन्तन (abstract reasoning)
- D अनुक्रियाओं ---------वस्तु को स्पष्ट रूप से देखने तथा समझने की क्षमता
- Dd अनुक्रिया ------------चिन्तन में अस्पष्टता
- परन्तु यदि ऐसी (Dd) अनुक्रिया 5% से अधिक हो जाती है, तो इससे व्यक्ति में मनोविदलता (schizophrenia)
- (negativistic tendency)
- रंग सम्बन्धी अनुक्रिया की अधिकता ------------व्यक्ति की संवेगशीलता (emotionality)
- रंग- सम्बन्धी अनुक्रिया का बहुत ही कम होना या न होने पर ----------------मनोविदालिता (schizophrenia) के लक्षण,
- गति अनुक्रियाओं (F, FM, m) की अधिकता से ------काल्पनिक क्रियाओं (fanciful activities)
- A% अधिक होने से बौद्धिक संकीर्णता (intellectual construction) तथा सांवेगिक असंतुलन (emotional disturbances) ज्ञात होता है
- तथा H% अधिक होने से उपयुक्त संज्ञानात्मक विकास (cognitive development) होने का संकेत मिलता है।
- P अनुक्रिया से रूढिगत चिन्तन (conventional thinking) तथा इसको कमी से व्यक्ति में सामाजिक अनुरूपता (social conformity) के शीलगुण की कमी होने का अंदाज मिलता है।
- P अनुक्रियाओं से व्यक्ति में सर्जनात्मकता (creativity)

अनुक्रियाओं से व्यक्ति में उम बुद्धि (high intelligence), सर्जन creativity). निपुणता (efficiency) आदि का बोध होता है।शार्क परीक्षण का विशेष साथ यह है कि इस परीक्षण में किसी प्रकार या पूर्वा (cultural bias) नहीं पाया जाता है। इस परीक्षण में परीक्षार्थी मनगवंत अनुक्रियाएँ (fake response) नहीं दे पाता है इसका क्रियान्वयन सभी आयु के व्यक्तियों के लिए तथा अनम व्यक्तियों पर भी आसानी से किया जा सकता है।

स्याही धन्या परीक्षण (Holtzman Inkblot test) ---इस परीक्षण में दो सेट (st) सेट 'अ' (Set A) तथा सेट 'ब' (set B) प्रत्येक सेट में 45 कार्ड होते है। दोनों सेट को समानान्तर (parallel) माना गया है। प्रत्येक कार्ड के प्रति अधिक से अधिक एक अनुक्रिया व्यक्ति को करनी होती है। इस परीक्षण में तुलनात्मक रूप से अधिक संरचित पूछताछ (structural enquiry) की जाती है और इसके माध्यम से 22 व्यक्तित्व चरों का मापन होता है।

(iii) कैस्सेल्ल कायिक स्याही श्रृंखला (Cassell's Somatic Inkblot Series) परम्परागत स्याही ध परीक्षण के क्षेत्र में यह परीक्षण एक तरह का नवीनतम विकास (latest development) का एक रूप है। यह परीक्ष काही श्रृंखला (Somatic Inkblot Series or SIS) के नाम से अधिक मशहूर है। कैस्सेल्ल (Cassell) का मत था कि सांवेगिक कठिनाईयो (emotional difficulties) एवं द्वन्द्वो को कायिक प्रक्रियाओं (somatic processes) द्वारा उत्तम ढंग समझा जा सकता है यह एक संरचित प्रोपीय निदानसूचक परीक्षण (structured projective diognostic test) है ये सभी धब्बे अर्द्ध-अस्पष्ट (semi- ambiguous) होते हैं जो व्यक्तित्व से संबंधित अंतरा मानसिक साहचर्य (intrapsychic associations) उत्पन करते हैं। इस परीक्षण अर्थात् SIS के तीन प्रारूप (form) होते है जो इस प्रकार है।

- SIS-1 इसमें स्याही के धब्बे के समरूप 20 प्रतिमाएँ (images) होती है। प्रत्येक प्रतिमा एक अलग कार्ड पर होता है।
- SIS-II इसमें 8 पेज की पुस्तिका (booklet) होती है जिसपर 62 प्रतिमाएँ (images) छपी होती है। प्रत्येक प्रतिमा के नीचे अनुक्रिया लिखने के लिए जगह छोड़ा रहता है।
- SIS-Video यह सचमुच में SIS-II का विडियो वर्तनी (Video version) है जिसमें कुछ उदीपक प्रतिमा (stimulus image) को एक-एक करके व्यक्ति को दिखलाया जाता है। प्रत्येक प्रतिमा को पर्दे पर 30 सेकेंड के लिए दिखलाया जाता है। इसका आत्म-क्रयान्यन (self-administration) भी संभव है जहाँ परीक्षार्थी (testee) उत्तर पपर उत्तरों को लिखा जाता है।
- SIS-II से कुछ ऐसे अतिरिक्त निदानसूचक सूचनाएँ उपलब्ध होती है जो रोशार्क परीक्षण से नहीं हो पाते है।

(ख) संरचना परीक्षण (Construction test)--इस श्रेणी में (test stimuli) के आधार पर व्यक्ति को एक कहानी या अन्य समान चीजों की रचना करत होती है।

- परीक्षण विषय- आत्मबोध परीक्षण (Thematic Apperception Test or TAT) --मर्रे (Murray, 1935) बाद में, 1938 में मार्ग (Morgan) ----इस परीक्षण का सशोधन (revision) किया।
- इस परीक्षण में (Rorschach test) के समान उद्दीपक (stimulus) या परिस्थिति बहुत ही अस्पष्टता नहीं होती है।
- उसके यौन (sex) एवं उम्र के अनुसार इस 31 कार्ड में से 20 कार्ड का (selection) कर लिया जाता है।
- इस 20 कार्ड में 19 कार्ड पर चित्र अंकित होते हैं और एक कार्ड सादा (blank) होता है। किसी एक व्यक्ति पर 20 कार्ड से अधिक नहीं दिया जाता है।
- जिसमें चित्र से सम्बन्धित घटना के भूत, वर्तमाना भविष्य तीनों का वर्णन होता है।
- इस परीक्षण का क्रियान्वयन (admistration) दो रात्री (sessions) में है— पहले सत्र में 10 कार्ड और फिर दूसरे सत्र में अन्तिम 10 कार्ड व्यक्ति को देकर उसके आधार पर कहानी लिखने को कहा जाता है।
- सबसे अन्त में सादा कार्ड (blank card) दिया जाता है जिसपर अपने मन से किसी चित्र को मानकर उसके आधार पर कहानी लिखने के लिए कहा जाता है।

कहानी-लेखन का कार्य समाप्त होने पर उसका विश्लेषण कर व्यक्तित्व के महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं (dominant needs) का पता लगाया जाता है। मरें (Murray) के अनुसार इस परीक्षण का विश्लेषण निम्नांकित प्रसंगों में किया जाता है।

(i) नायक (Hero) प्रत्येक कहानी में नायक (hero) या नायिका का पता लगाया जाता है। कहानी में जिसव्यक्ति की मुख्य भूमिका होती है

(ii) आवश्यकता (Need) - प्रत्येक कहानी में नायक या नायिका की मुख्य आवश्यकताएँ (needs) क्या-क्याहै, इसका पता लगाया जाता है।

कुछ ऐसी आवश्यकताएँ है— उपलब्धि आवश्यकता (need for achievement) सम्बन्धन आवश्यकता (need for affiliation), प्रभुत्व आवश्यकता (need for dominance) आदि।

(iii) प्रेस (Press) – प्रेस से तात्पर्य कहानी के उस वातावरण सम्बन्धी बलो (forces) से होता है जिनसे कहानी के नायक की आवश्यकता (need) या तो पूरी होती है या पूरी होने से वंचित रह जाती है।

मेरे (Murray) केअनुसार इस तरह के वातावरण सम्बन्धी बल (environment forces) 30 से भी अधिक है। आक्रामकता या आक्रमण(aggression) तथा शारीरिक खतरा (physical danger) दो महत्त्वपूर्ण प्रेस (press) है जिनका वर्णन अधिकांशक हानियों में मिलता है।

(iv) थीमा (Themes) — प्रत्येक कहानी में धीमा (thema) का निर्धारण किया जाता है। धीमा से तात्पर्य नायक की आवश्यकता (need) तथा प्रेस अर्थात् वातावरण-सम्बन्धी बल (environmental forces) में हुई अन्तः किया Interaction) से उत्पन्न घटना से होता है। थोमा द्वारा व्यक्तित्व में निरन्तरता (continuity) का ज्ञान होता है।

(v) परिणाम (Outcome) परिणाम से तात्पर्य इस बात से होता है कि कहानी को किस तरह से समाप् गया है। कहानी का निष्कर्ष निश्चित है या अनिश्चित है। निश्चित एवं स्पष्ट निष्कर्ष होने से व्यक्ति में (maturity) तथा वास्तविकता (reality) का ज्ञान होने का बोध होता है।

a) वाल आत्मबोधन परीक्षण (Children's Apperception Test or CAT) इस परीक्षण का विकास बेल्लाक (Bellak, 1954) द्वारा किया गया है तथा इसके कार्ड में पशु पात्र है न कि मानव पात्र।

TAT के समान ही इसमें बच्चों के व्यक्तित्व की आवश्यकता का मापन प्रत्येक कार्ड के आधार पर लिखी गयी कहानी के माध्यम से होता है।

b) TAT के सदृश एकPicture Frustration Study)—

इस परीक्षण का निर्माण रोजनविग (Rosenzweig 1949) द्वारा किया। इसमें 24 कार्टून होते है जिसमें एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति के साथ इस ढंग से व्यवहार करते दिखलाया जाता है कि दूसरा व्यक्ति में उसके व्यवहार से निश्चित रूप से कुंठा उत्पन्न हो। यहाँ व्यक्ति को प्रत्येक कार्टून देखकर यह बतलाना होता है कि ऐसी परिस्थिति में कुंठित व्यक्ति की अनुक्रिया क्या होगी।

c) रोवर्टस आत्मबोधन परीक्षण बच्चों के लिए (Roberts' Apperception Test for Children orRATC)—इस परीक्षण का निर्माण मेकअर्थर तथा रोवर्टस (McArthur & Roberts, 1982) द्वारा कियागया। इसमें 27 कार्ड होते है और प्रत्येक कार्ड में कुछ बच्चों को अन्य बच्चों या कारकों के साथ अन्तक्रियाकरते हुए दिखलाया जाता है। बच्चों को प्रत्येक कार्ड के आधार पर यह बतलाना होता है कि उसमें दिखाए गए पात्र क्या कर रहे है और क्या करेंगे।

(ग) पूर्ति परीक्षण (Completion test) – इस श्रेणी के प्रक्षेपीय परीक्षण में व्यति को उद्दीपक (प्राय: एक वाक्य) का एक हिस्सा दिखलाया जाता है और दूसरा हिस्सा खाली (blank) होता है जिसकी पूर्ति व्यक्ति अपनी इच्छानुसार करता है।

यहाँ पूर्वकल्पना यह होती है कि जिस तरह से व्यक्ति वाक्य को पूरा करेगा, उससे उसके व्यक्तित्व के महत्त्वपूर्ण विमाओं का पता चलेगा। इस तरह के परीक्षण को वाक्य पूर्ति परीक्षण (Sentence completion test) कहा जाता है।

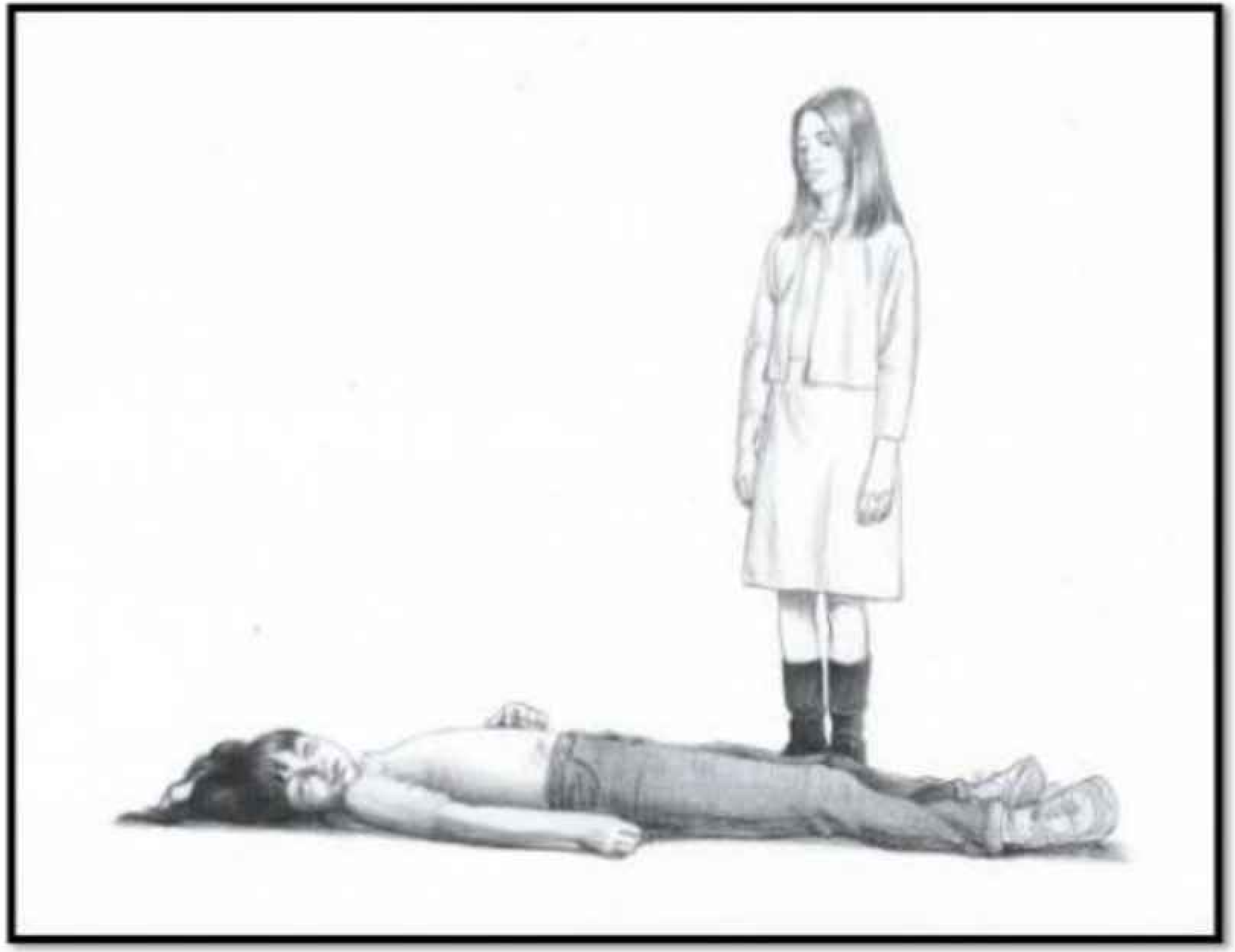

Objective Tests (वस्तुनिष्ठ परीक्षण)

1. Case study → (गहन अध्ययन) → विस्तृत
2. Rating scale → 1 2 ③ 4 5 (Movie)
   ③ → सामान्य
3. Checklist — ✓ ✗ [Bag / खाना] ✓ ✗
4. Observation — classroom
   Field → जाति ✓
5. Action Research